पीएम श्री: 13,092 स्कूल और शिक्षकों का ब्योरा

शिक्षा / भाषा-नीति / संघवाद | समाचार संदर्भ: पीएम श्री स्कूलों पर लोक सभा उत्तर, 27 जुलाई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

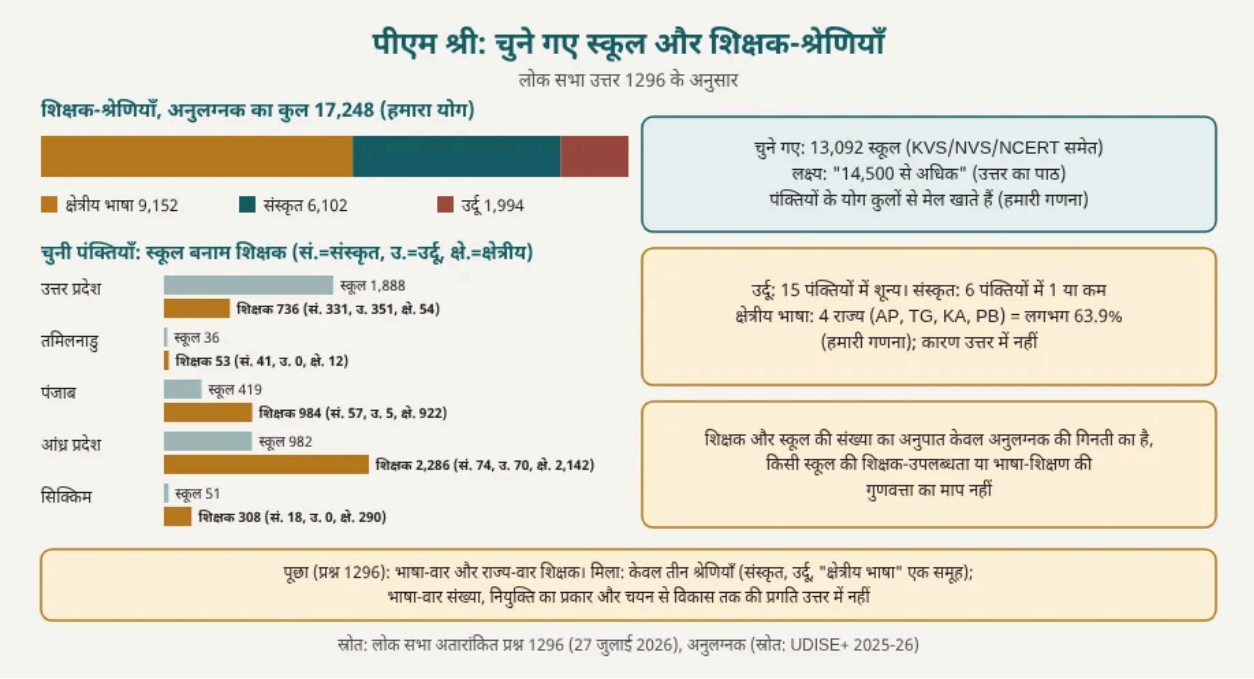
पीएम श्री (Pradhan Mantri Schools for Rising India) उत्तर के शब्दों में एक केंद्र-प्रायोजित योजना है जो देश भर में “14,500 से अधिक” स्कूलों को मज़बूत करने का लक्ष्य रखती है। योजना के तहत स्कूल राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS), नवोदय विद्यालय समिति (NVS) और NCERT के स्कूलों समेत “चुने” गए हैं।

खबरों में क्यों

27 जुलाई 2026 को शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने श्री एस. वेंकटेशन के लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1296 का उत्तर दिया। प्रश्न में दो बातें पूछी गई थीं: (क) अब तक योजना में आए स्कूलों की राज्य/केंद्रशासित प्रदेश-वार संख्या और (ख) इन स्कूलों में गैर-हिंदी मातृभाषाओं के लिए नियुक्त शिक्षकों की भाषा-वार और राज्य-वार संख्या। उत्तर ने एक अनुलग्नक दिया, जिसका स्रोत “UDISE+ 2025-26” लिखा है।

मुख्य अवधारणा: “चुने गए” स्कूल, शिक्षक-श्रेणियाँ और जो पूछा गया

उत्तर के अनुसार “13,092 schools have been selected as PM SHRI schools”, यानी चयन की संख्या; उत्तर इसे पूरी तरह विकसित या संचालित स्कूलों की संख्या नहीं कहता। शिक्षकों के लिए अनुलग्नक में केवल तीन कॉलम हैं: संस्कृत, उर्दू और “Regional Language” (क्षेत्रीय भाषा)। प्रश्न “भाषा-वार” ब्योरा माँगता था; क्षेत्रीय भाषाएँ किसी एक कॉलम में जुड़ी हैं, इसलिए तमिल, तेलुगु या कन्नड़ जैसी भाषा-वार संख्या उत्तर से नहीं मिलती।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

चयनित स्कूल (उत्तर का पाठ और अनुलग्नक)	**13,092 स्कूल KVS/NVS/NCERT समेत 36 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश पंक्तियों में चुने गए; लक्ष्य "14,500 से अधिक"। सबसे अधिक: उत्तर प्रदेश 1,888, आंध्र प्रदेश 982, महाराष्ट्र 946, मध्य प्रदेश 944, बिहार 904।**
शिक्षक-श्रेणियों के कुल (अनुलग्नक)	संस्कृत 6,102; उर्दू 1,994; क्षेत्रीय भाषा 9,152।
संस्कृत के सबसे अधिक	मध्य प्रदेश 1,211; राजस्थान 768; ओडिशा 738; बिहार 736।
उर्दू और क्षेत्रीय भाषा के सबसे अधिक	उर्दू: बिहार 691, उत्तर प्रदेश 351, जम्मू-कश्मीर 323। क्षेत्रीय भाषा: आंध्र प्रदेश 2,142, तेलंगाना 1,666, कर्नाटक 1,115, पंजाब 922।
कुछ पंक्तियाँ (अनुलग्नक)	तमिलनाडु: 36 स्कूल; संस्कृत 41, उर्दू 0, क्षेत्रीय 12। पश्चिम बंगाल: 60; 48, 0, 19। सिक्किम: 51; 18, 0, 290। पंजाब: 419; 57, 5, 922।

आँकड़ों की जाँच: जो मेल खाता है और जो नहीं निकाला जा सकता

जो मेल खाता है (हमारी गणना): अनुलग्नक की 36 पंक्तियों का योग चारों छपे कुलों से ठीक मिलता है: स्कूल 13,092, संस्कृत 6,102, उर्दू 1,994, क्षेत्रीय भाषा 9,152। हमारी गणना से तीनों श्रेणियों का योग 17,248 है; उत्तर यह योग नहीं देता।

हमारी गणना: श्रेणियों का हिस्सा: इस योग में संस्कृत लगभग 35.4%, उर्दू लगभग 11.6% और क्षेत्रीय भाषा लगभग 53.1% है। सबसे अधिक स्कूलों वाली पाँच पंक्तियाँ (उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार) 13,092 में से लगभग 43.3% हैं। 14,500 के लक्ष्य के मुक़ाबले 1,408 स्कूल कम चुने गए हैं (लगभग 90.3%) (हमारी गणना, "से अधिक" को देखते हुए केवल न्यूनतम अंतर)।

जो अनसुलझा है: उत्तर नहीं बताता कि शिक्षक "इन स्कूलों में" कब और किस प्रकार नियुक्त हुए (नई नियुक्ति या पहले से कार्यरत शिक्षकों की गिनती), क्या वे पूर्णकालिक हैं, और कितने शिक्षक एक से अधिक स्कूल सँभालते हैं। एक ही शिक्षक के दोहरी गिनती की संभावना उत्तर से जाँची नहीं जा सकती। हिंदी या अंग्रेज़ी शिक्षकों की संख्या नहीं पूछी गई और नहीं दी गई।

जो तुलनीय नहीं: स्कूल-प्रति-शिक्षक जैसा अनुपात (हमारी गणना से तमिलनाडु में तीनों श्रेणियों का योग 53 और 36 स्कूल, यानी लगभग 1.5; आंध्र प्रदेश में 2,286 और 982, लगभग 2.3; उत्तर प्रदेश में 736 और 1,888, लगभग 0.4) केवल अनुलग्नक की गिनती का अनुपात है, किसी स्कूल में उपलब्ध शिक्षक या भाषा-शिक्षण की गुणवत्ता का माप नहीं।

महत्व: भाषा-नीति, संघवाद और स्कूल सुधार

भाषा-नीति: अनुलग्नक में उर्दू की संख्या 15 पंक्तियों में शून्य है और संस्कृत 1 या उससे कम छह पंक्तियों (दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मिज़ोरम, नागालैंड) में है। उत्तर इन अंतरों का कारण नहीं देता, और यह नहीं कहता कि ये राज्य-नीति, माँग या उपलब्धता के कारण हैं।

क्षेत्रीय भाषा का केंद्रित स्वरूप: आंध्र प्रदेश (2,142), तेलंगाना (1,666), कर्नाटक (1,115) और पंजाब (922) की क्षेत्रीय-भाषा संख्या अनुलग्नक के राष्ट्रीय कुल 9,152 का लगभग 63.9% (हमारी गणना) है; आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम और पुदुचेरी में यह संख्या स्कूलों की संख्या के दोगुने से अधिक है। क्षेत्रीय भाषा के एक कॉलम में कई भाषाएँ होने से यह नहीं जाना जा सकता कि कौन-सी भाषा कितनी है।

राज्यों की भूमिका: योजना केंद्र-प्रायोजित है और स्कूल राज्यों के अंतर्गत हैं; उत्तर यह नहीं बताता कि चयन या शिक्षक-नियुक्ति में केंद्र और राज्य की क्या भूमिका है, न ही चयन की शर्तें।

चुनौतियाँ और जो उत्तर में नहीं है

पूछा गया, पर नहीं मिला: प्रश्न (ख) भाषा-वार शिक्षक माँगता था; उत्तर तीन श्रेणियों में देता है, जिनमें से "Regional Language" अनेक भाषाओं का समूह है। "गैर-हिंदी मातृभाषा" की कोई परिभाषा नहीं दी गई है और संस्कृत को उसी तालिका में गिना गया है।

अनसुलझे बिंदु: चयन से लेकर विकास तक की प्रगति; शिक्षकों की नियुक्ति का समय और प्रकार; 14,500 के लक्ष्य तक पहुँचने की समय-सीमा; अनुलग्नक की तारीख़ ("UDISE+ 2025-26" का आधार वर्ष है, किसी दिन की स्थिति नहीं बताई गई)।

जो हमने नहीं पढ़ा: हमने लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1296 का आधिकारिक PDF (उत्तर और अनुलग्नक) पूरा पढ़ा। पीएम श्री योजना के दिशा-निर्देश, UDISE+ और किसी मूल्यांकन को नहीं पढ़ा गया।

आगे की राह

इसे 27 जुलाई 2026 के उत्तर की दिनांकित सरकारी जानकारी मानें; शिक्षकों की नियुक्ति की प्रकृति, भाषा-वार संख्या और स्कूलों के विकास की स्थिति के लिए योजना के दिशा-निर्देश या आगे के आधिकारिक उत्तर देखने होंगे।

अवधारणा में अंतर

चार बातें अलग रखें: (1) चुने गए स्कूल और विकसित या संचालित स्कूल; (2) संस्कृत, उर्दू और क्षेत्रीय भाषा की श्रेणियाँ और भाषा-वार संख्या; (3) शिक्षकों की गिनती और भाषा-शिक्षण की गुणवत्ता; (4) उत्तर के आँकड़े और हमारी गणना।

मेंस दृष्टि

GS-II: शिक्षा, केंद्र-राज्य संबंध और सरकारी योजनाएँ; GS-I: भाषा और समाज।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

पीएम श्री योजना के चुने गए स्कूलों और शिक्षक-श्रेणियों के सरकारी आँकड़ों से बहुभाषी शिक्षा की स्थिति के बारे में क्या कहा जा सकता है और क्या नहीं? राज्य-वार असमानताओं को समझने के लिए किन अतिरिक्त सूचनाओं की ज़रूरत होगी?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: योजना (14,500 से अधिक का लक्ष्य) और प्रश्न 1296।

मुख्य भाग में: चयन 13,092 स्कूल और तीन शिक्षक-श्रेणियाँ (संस्कृत 6,102, उर्दू 1,994, क्षेत्रीय 9,152, उत्तर के आँकड़े); हमारी गणना: कुल 17,248 और श्रेणियों का हिस्सा; राज्य-वार असमानताएँ (उर्दू 15 पंक्तियों में शून्य, क्षेत्रीय भाषा चार राज्यों में केंद्रित); भाषा-वार ब्योरे की कमी; चयन बनाम विकास; आवश्यक सूचनाएँ (नियुक्ति का प्रकार, भाषा-वार संख्या, पूर्णकालिकता)।

निष्कर्ष में: स्कूलों का चयन और शिक्षक-श्रेणियों की कुल संख्या बहुभाषी शिक्षा की उपलब्धता का पूरा प्रमाण नहीं; भाषा-वार संख्या, नियुक्ति का प्रकार और पूर्णकालिक उपलब्धता स्पष्ट करके राज्य-वार स्थिति परखें।

स्रोत

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1296 और उत्तर, 27.07.2026 (संसद का आधिकारिक PDF; अनुलग्नक सहित)

स्रोत: लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1296 का आधिकारिक पाठ और अनुलग्नक पूरे पढ़े गए। पीएम श्री दिशा-निर्देश और UDISE+ नहीं पढ़े गए।

याद रखें: लोक सभा उत्तर के अनुसार 13,092 स्कूल पीएम श्री के लिए चुने गए (लक्ष्य 14,500 से अधिक) और अनुलग्नक में संस्कृत 6,102, उर्दू 1,994 और क्षेत्रीय भाषा 9,152 शिक्षक हैं (हमारी गणना: कुल 17,248), पर भाषा-वार संख्या, नियुक्ति का प्रकार और चयन से विकास तक की प्रगति उत्तर में नहीं है।